Regarding non-availability of DAP Fertilizers in Uttar Pradesh and other parts of the country

श्री राम प्रसाद चौधरी (बस्ती) **:** माननीय सभापति जी, आपने मुझे शून्य प्रहर में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं ।

मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि अब रबी की बुवाई का समय है, गेहूं, चना, मटर, तिलहन और आलू की बुवाई का समय है । मैं उत्तर प्रदेश विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश, बस्ती से निर्वाचित होकर आया हूं । एमपी डीएपी खाद, जिसे किसान मिट्टी की खाद कहते हैं, अब पूर्वी उत्तर प्रदेश में उपलब्ध नहीं है । सहकारी समितियों में किसानों की लंबी लाइनें लगी हुई हैं । जब अधिकारियों से बात होती है तो वे कहते हैं कि 40-50 परसेंट कोटा ही इस वर्ष एमपी डीएपी खाद का रिलीज हुआ है । यही कारण है कि किसानों की लंबी लाइनें लगी हुई हैं । किसानों को जगह-जगह आगे-पीछे करने के लिए पुलिस का डंडा चल रहा है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के बस्ती में एमपी डीएपी खाद की व्यवस्था कराई जाए ।